केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) एवं NCTE नवीनतम पाठ्यक्रम पर आधारित

केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा

CTET

प्राथमिक स्तर (कक्षा I-V)

बाल विकास एवं शिक्षण पर्यावरणीय अध्ययन, गणित भाषा- हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत अध्यायवार सॉल्वड पेपर्स

प्रधान सम्पादक

Anand K. Mahajan

लेखक

आनन्द कुमार सोनी

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण, चरनसिंह, भूपेन्द्र मिश्रा

सम्पादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/ www.yctfastbook.com/ www.yctbooksprime.com

© All Rights Reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने रूप प्रिंटिंग प्रेस, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव एवं सहयोग सादर अपेक्षित है।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

₹ 995/-

विषय-सूची

बाल विकास और शिक्षणशास्त्र 9-160

- बाल विकास (प्रारम्भिक विद्यालय का बालक) 9-90
  - विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध..9
  - बालक के विकास के सिद्धांत..15
  - आनुवांशिकता और पर्यावरण का प्रभाव..18
  - सामाजिकीकरण दबाव : सामाजिक विश्व और बालक (शिक्षक, अभिभावक और मित्रगण)..20
  - पियाजे, कोहलबर्ग और बायगोत्सकी : निर्माण और विवेचित संदर्श 24
  - बाल-केंद्रित और प्रगामी शिक्षा की अवधारणाएं 55
  - बौद्धिकता के निर्माण का विवेचित संदर्श..60
  - बहु-आयामी बौद्धिकता 61
  - भाषा और चिंतन..65
  - समाज निर्माण के रूप में लिंग : लिंग भूमिकाएँ, लिंग-पूर्वाग्रह और शैक्षणिक व्यवहार.. 71
  - शिक्षार्थियों के मध्य वैयक्तिक विभेद, भाषा, जाति, लिंग, समुदाय, धर्म आदि की विविधता पर आधारित विभेदों को समझना..76
  - अधिगम के लिए मूल्यांकन और अधिगम के मूल्यांकन के बीच अंतर; विद्यालय आधारित मूल्यांकन, सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन : संदर्श और व्यवहार 81
  - शिक्षार्थियों की तैयारी के स्तर के मूल्यांकन के लिए; कक्षा में शिक्षण और विवेचित चिंतन के लिए तथा शिक्षार्थी की उपलब्धि के लिए उपयुक्त प्रश्न तैयार करना।..86
- समावेशी शिक्षा की अवधारणा तथा विशेष आवश्यकता वाले बालकों को समझना.................... 91-115
  - गैर-लाभप्राप्त और अवसर-वंचित शिक्षार्थियों सहित विभिन्न पृष्ठभूमियों से आए शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को समझना 91
  - अधिगम संबंधी समस्याओं, 'कठिनाई' रखने वाले बालकों की आवश्यकताओं को समझना..100
  - मेधावी, सृजनशील, विशिष्ट, प्रतिभावान शिक्षार्थियों की आवश्यकताओं को समझना..112
- अधिगम और शिक्षणशास्त्र..116-160
  - बालक किस प्रकार सोचते और सीखते हैं; बालक विद्यालय प्रदर्शन में सफलता प्राप्त करने में कैसे और क्यों 'असफल' होते हैं.. 116
  - शिक्षण और अधिगम की बुनियादी प्रक्रियाएँ, बालकों की अधिगम कार्यनीतियाँ, सामाजिक क्रियाकलाप के रूप में अधिगम, अधिगम के सामाजिक संदर्भ।.. 121
  - एक समस्या समाधानकर्ता और एक 'वैज्ञानिक अन्वेषक' के रूप में बालक.. 132
  - बालकों के अधिगम की वैकल्पिक संकल्पना, अधिगम प्रक्रिया में महत्वपूर्ण चरणों के रूप में बालक की 'त्रुटियों' को समझना 139
  - बोध और संवेदनाएं.. 146
  - प्रेरणा और अधिगम.. 152
  - अधिगम में योगदान देने वाले कारक-निजी एवं पर्यावरणीय.. 157

पर्यावरणीय अध्ययन 161-296

- ❑ परिवार और मित्र 161-180
  - संबंध 162
  - कार्य और खेल 162
  - पशु 164
  - पौधे 173
- ❑ भोजन 180
- ❑ आश्रय 184
- ❑ पानी 190
- ❑ भ्रमण 195
- ❑ वे चीजें जो हम बनाते और करते हैं। 205
- ❑ अध्यापन संबंधी मुद्दे 208
  - ईवीएस की अवधारणा और व्याप्ति 208
  - ईवीएस का महत्व, एकीकृत ईवीएस 220
  - पर्यावरणीय अध्ययन एवं पर्यावरणीय शिक्षा 228
  - अधिगम सिद्धांत 249
  - विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की व्याप्ति और संबंध 251
  - अवधारणा प्रस्तुत करने के दृष्टिकोण 254
  - क्रियाकलाप 256
  - प्रयोग/व्यावहारिक कार्य 264
  - चर्चा 267
  - सीसीई 270
  - शिक्षण सामग्री/उपकरण 277
  - समस्याएं 278
- ❑ विविध 280

गणित 297-424

- ❑ संख्याएँ 297-304
- ❑ जोड़ना 304-307
- ❑ घटाना 307-310
- ❑ गुणा 310-313
- ❑ भाग 313-318
- ❑ माप 318-323
- ❑ समय 323-327

- धन 327-331
- वजन 331-333
- आंकड़ों की व्याख्या 333-339
- आयतन 339-341
- ज्यामिति 341-346
- हमारे चारो ओर ठोस 346-346
- नमूना (प्रतिरूप) 346-351
- आकार एवं स्थानिक समझ 351-424
  - तार्किक चिंतन 355
  - गणित की प्रकृति/शिक्षक की भूमिका/शिक्षणविधि 363
  - शिक्षण की समस्याएँ 382
  - गणित समुदाय और भाषा 384
  - त्रुटि विश्लेषण 394
  - निदान 399
  - उपचारात्मक शिक्षण 400
  - मूल्यांकन 416
  - विविध 420

भाषा

हिन्दी 425-496

- भाषा बोधगम्यता 425-432
  - (अनदेखे अनुच्छेदों को पढ़ना) 424
- भाषा विकास का अध्यापन 433-496
  - अधिगम अर्जन 439
  - भाषा अध्यापन के सिद्धांत 449
  - सुनने और बोलने की भूमिका, भाषा का कार्य तथा बालक इसे किस प्रकार एक उपकरण के रूप में प्रयोग करते हैं। 452
  - मौखिक और लिखित रूप में विचारों के सम्प्रेषण के लिए किसी भाषा के अधिगम में व्याकरण की भूमिका पर विवेचित संदर्श 456
  - एक भिन्न कक्षा में भाषा पढ़ाने की चुनौतियाँ, भाषा की कठिनाइयां, त्रुटियाँ और विकार 464
  - भाषा कौशल 470
  - भाषा बोधगम्यता और प्रवीणता का मूल्यांकन करना : बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना 475
  - अध्यापन-अधिगम सामग्री : पाठ्यपुस्तक, मल्टीमीडिया सामग्री, कक्षा का बहुभाषायी संसाधन 486
  - उपचारात्मक अध्यापन 493

English 497-544

- ❑ **LANGUAGE COMPREHENSION 497-508**
  - **(Reading unseen passages-two passages one prose or drama and one poem with questions on comprehension, inference, grammar and verbal ability (Prose passage may be literary, scientific, narrative or discursive) 497**
- ❑ **PEDAGOGY OF LANGUAGE DEVELOPMENT 508-544**
  - **Learning and Acquisition 508**
  - **Principles of Language Teaching 515**
  - **Role of Listening and Speaking; function of Language and How Children use it as a tool 518**
  - **Critical Perspective on the Role of Grammar in Learning a Language for Communicating Ideas Verbally and in Written form 519**
  - **Challenges of Teaching Language in a Diverse Classroom; Language Difficulties, Errors and Disorders 525**
  - **Language Skills 527**
  - **Evaluating/Assessment Language Comprehension and Proficiency : Speaking, Listening, Reading and Writing 529**
  - **Teaching-Learning Materials : Textbook, Multimedia Materials, multilingual resource of the classroom. 539**
  - **Remedial Teaching 544**

संस्कृत 545-608

- ❑ भाषाबोध 545-555
  - अपठितखण्डानां पठनं- द्वे खण्डे, एकः गद्यात् वा नाटकात् एकः च काव्यात्। अवगमनस्य, अंतर्ज्ञानस्य, व्याकरणस्य, वाचिकक्षमतायाः च प्रश्नाः (गद्य साहित्यिकं, वैज्ञानिकं, कथात्मकं वा विमर्शात्मकं वा भवितुम् अर्हति) 545
- ❑ भाषाविकासस्य शिक्षाशास्त्रम् 556-608
  - भाषा अधिगम अधिग्रहणं च 556
  - भाषाशिक्षणस्य सिद्धान्ताः 560
  - श्रवणस्य वक्तुं च भूमिका, भाषायाः कार्य तथा च बालकाः तस्याः उपयोगं कथं साधनरूपेण कुर्वन्ति इति 567
  - मौखिकरूपेण लेखनरूपेण च विचारणां संप्रेषणार्थ भाषाशिक्षणे व्याकरणस्य भूमिकायाः समीक्षात्मकदृष्टिकोणः 573
  - विविधकक्षायां भाषाशिक्षणस्य आव्हानानि; भाषाकष्टानि, दोषाः, विकाराः च 584
  - भाषा कौशलम् 586
  - भाषाबोधस्य प्रवीणतायाः च मूल्याङ्कनम्ः वक्तुं, श्रवणं, पठनं, लेखनं च 588
  - अध्यापकशिक्षणसामग्रीः पाठ्यपुस्तकानि, बहुमाध्यमसामग्री, बहुभाषिककक्षासंसाधनम् 595
  - उपायात्मक निदानात्मक शिक्षणम् 607

प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न	क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा तिथि	कुल परीक्षा प्रश्न
1.	**CTET, 2011 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 26 जून, 2011)**	**180**	**34.**	**CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 28 दिसम्बर, 2021)**	**180**
2.	**CTET, 2012 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 29 जनवरी, 2012)**	**180**	**35.**	**CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 29 दिसम्बर, 2021)**	**180**
3.	**CTET, 2012 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 18 नवंबर, 2012)**	**180**	**36.**	**CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 30 दिसम्बर, 2021)**	**180**
4.	**CTET, 2013 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 28 जुलाई, 2013)**	**180**	**37.**	**CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 31 दिसम्बर, 2021)**	**180**
5.	**CTET, 2014 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 16 फरवरी, 2014)**	**180**	**38.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 6 फरवरी, 2023)**	**180**
6.	**CTET, 2014 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 21 सितंबर, 2014)**	**180**	**39.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 4 फरवरी, 2023)**	**180**
7.	**CTET, 2015 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 22 फरवरी, 2015)**	**180**	**40.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 3 फरवरी, 2023)**	**180**
8.	**CTET, 2015 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 20 सितंबर, 2015)**	**180**	**41.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 2 फरवरी, 2023)**	**180**
9.	**CTET, 2016 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 21 फरवरी, 2016)**	**180**	**42.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 1 फरवरी, 2023)**	**180**
10.	**CTET, 2016 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 18 सितंबर, 2016)**	**180**	**43.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 30 जनवरी, 2023)**	**180**
11.	**CTET, 2018 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 9 दिसम्बर, 2018)**	**180**	**44.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 28 जनवरी, 2023)**	**180**
12.	**CTET, 2019 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 7 जुलाई, 2019)**	**180**	**45.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 27 जनवरी, 2023)**	**180**
13.	**CTET, 2019 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 8 दिसम्बर, 2019)**	**180**	**46.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 25 जनवरी, 2023)**	**180**
14.	**CTET, 2020 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 31 जनवरी, 2021)**	**180**	**47.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 24 जनवरी, 2023)**	**180**
15.	**CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 1 जनवरी, 2022)**	**180**	**48.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 23 जनवरी, 2023)**	**180**
16.	**CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 3 जनवरी, 2022)**	**180**	**49.**	**CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 20 जनवरी, 2023)**	**180**

17.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 4 जनवरी, 2022)	180	50.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 19 जनवरी, 2023)	180
18.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 5 जनवरी, 2022)	180	51.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 18 जनवरी, 2023)	180
19.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 6 जनवरी, 2022)	180	52.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 17 जनवरी, 2023)	180
20.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 7 जनवरी, 2022)	180	53.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 13 जनवरी, 2023)	180
21.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 8 जनवरी, 2022)	180	54.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 12 जनवरी, 2023)	180
22.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 10 जनवरी, 2022)	180	55.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 11 जनवरी, 2023)	180
23.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 11 जनवरी, 2022)	180	56.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 10 जनवरी, 2023)	180
24.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 12 जनवरी, 2022)	180	57.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 09 जनवरी, 2023)	180
25.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 16 जनवरी, 2022)	180	58.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 29 दिसम्बर, 2022)	180
26.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 17 जनवरी, 2022)	180	59.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 28 दिसम्बर, 2022)	180
27.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 21 जनवरी, 2022)	180	60.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 29 जनवरी, 2023)	180
28.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 20 दिसम्बर, 2021)	180	61.	CTET, 2022 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 7 फरवरी, 2023)	180
29.	CTET, 2021प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 21 दिसम्बर, 2021)	180	62.	CTET, July 2023 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 20 अगस्त, 2023)	180
30.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 22 दिसम्बर, 2021)	180	63.	CTET, January 2024 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 21 जनवरी, 2024)	180
31.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 23 दिसम्बर, 2021)	180	64.	CTET, January 2024 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 07 जुलाई, 2024)	180
32.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 24 दिसम्बर, 2021)	180	65.	CTET, December 2024 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 14 दिसम्बर, 2024)	180
33.	CTET, 2021 प्राथमिक स्तर (I-V) (परीक्षा तिथि : 27 दिसम्बर, 2021)	180			
				Total	**11700**

पूर्व परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्नों का विश्लेषणात्मक पाई चार्ट एवं बार ग्राफ

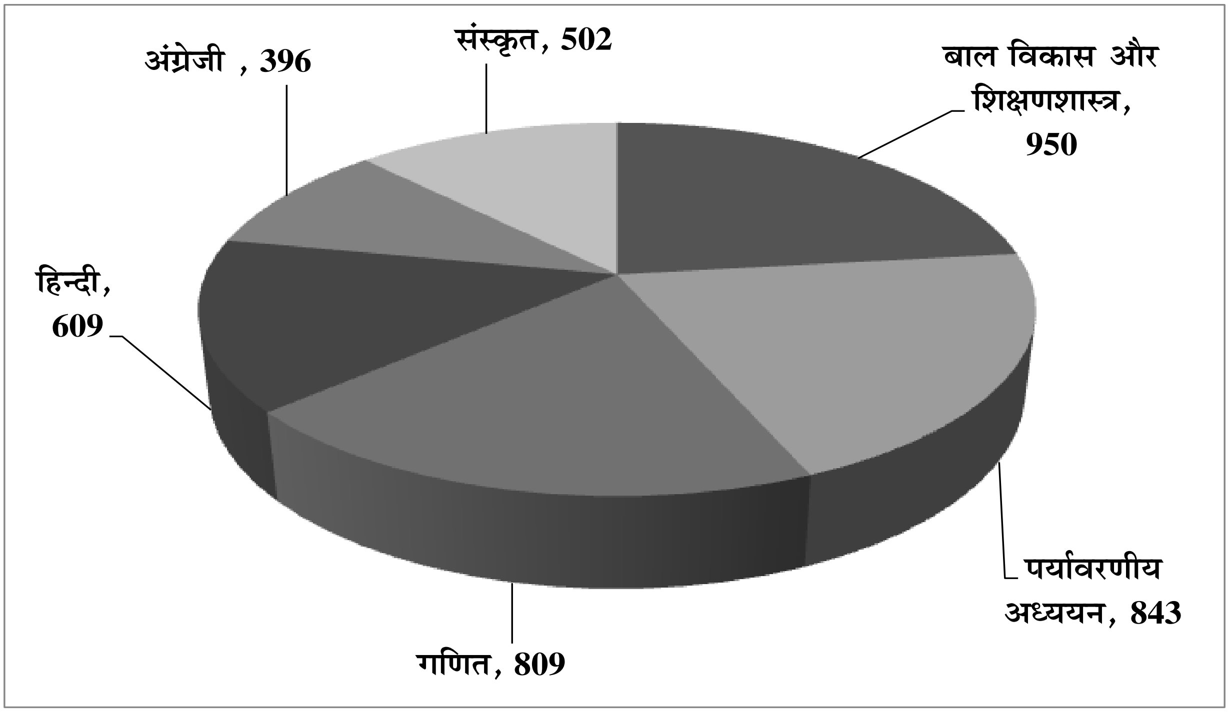

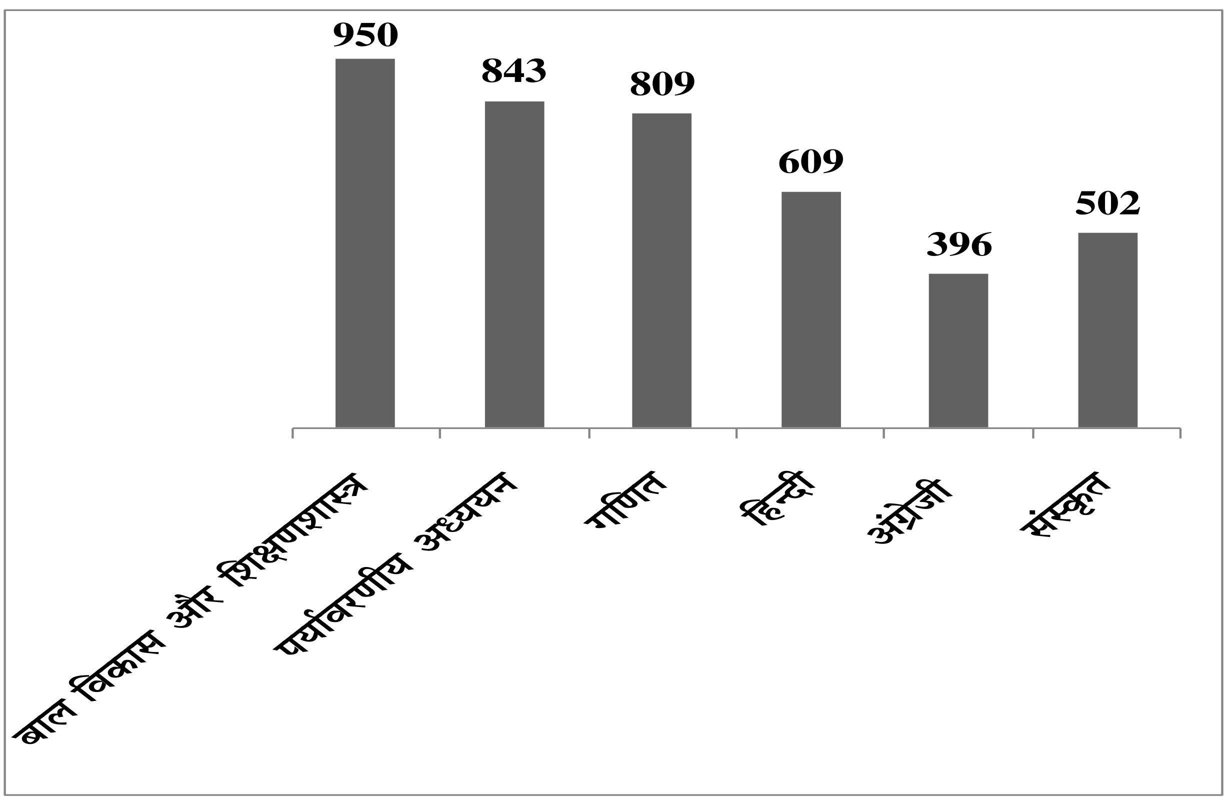

1. बाल विकास और शिक्षणशास्त्र

1. बाल विकास (प्रारम्भिक विद्यालय का बालक)

(i) विकास की अवस्था तथा अधिगम से उसका संबंध

1. बच्चों की लम्बाई और वजन में वृद्धि किसका उदाहरण है?

(a) संज्ञानात्मक परिवर्तन (b) मात्रात्मक परिवर्तन
(c) गुणात्मक परिवर्तन (d) भावात्मक परिवर्तन

CTET (I-V) July, 2024

Ans. (b) : वृद्धि और विकास मानव जीवन के आधार होते हैं। वृद्धि विकासात्मक प्रक्रिया का एक भाग है क्योंकि इसके मात्रात्मक पहलू में विकास को वृद्धि के रूप में संदर्भित किया जाता हैं।

* वृद्धि एक मात्रात्मक परिवर्तन को संदर्भित करती है जिसके परिणाम स्वरूप बच्चे की ऊँचाई, वजन और लंबाई में वृद्धि होती हैं।
* गुणात्मक परिवर्तन अंगो की बेहतर और संवर्धित कार्यप्रणाली में वृद्धि को संदर्भित करता है।

2. अभिकथन (A) : जबकि कुछ बच्चे 12 महीने की उम्र में बड़बड़ाना और दो शब्दों का वाक्य बोलना शुरू कर देते हैं, अन्य 20 महीने की उम्र तक ऐसा नहीं करते हैं।
कारण (R) : विकासात्मक प्रतिमान केवल सांकेतिक हैं और व्यक्तिगत बच्चों का विकास काफी भिन्न हो सकता है।
सही विकल्प चुनें।

(a) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की (R) सही व्याख्या करता है।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (A) की (R) सही वयाख्या नही करता है।
(d) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

CTET (1-V) 14/12/2024
CTET (I-V) July, 2024

Ans. (b) : प्रत्येक प्रतिमान जो विकसित होता है वह पूर्व प्रतिमान पर निर्भर होता है तथा आयु पर निर्भर नही करता है। आयु को केवल औसत माना जाता हैं।

* विकासात्मक प्रतिमान केवल सांकेतिक है और व्यक्तिगत बच्चों का विकास काफी भिन्न हो सकता है।
* बच्चे दिन-प्रतिदिन अलग-अलग गति से विकसित होते है और विभिन्न बिंदुओं पर विकास के प्रतिमान तक पहुंचते हैं।
* उदाहरणार्थ : कुछ बच्चे 12 महीने की उम्र में बड़बड़ाना और दो शब्दो का वाक्य बोलना शुरू कर देते है, अन्य 20 महीने की उम्र तक ऐसा नही करते हैं।

अतः (A) और (R) दोनों सही है और (A) की (R) सही व्याख्या करता है।

3. ऐसे बच्चे जिन्होंने बहुत कम उम्र सं गंभीर (मानव) सामाजिक अभाव का अनुभव किया है, आमतौर पर उनके विकास में देरी या बाधा उत्पन्न होती है और पुनर्वासा के बावजूद विकास के कुद क्षेत्रों में सुधार अधीनस्थ होने की संभावना है। यह अवधि जिसमें विकास पर्यावरणीय समर्थन से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावति होता है, _____ कहलाती है।

(a) संवेदनशील अवधि (b) निगमनात्मक अवधि
(c) सहज काल (d) मूल काल

CTET (I-V) July, 2024

Ans. (a) : दिये गये प्रश्न के अनुसार यह अवधि जिसमें विकास पर्यावरणीय समर्थन से महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित होता है, संवेदनशील अवधि कहलाती है।
विकास की संवेदनशील अवधि बाल विकास की अतिव्यापी अविधि को संदर्भित करती है जिसमें बच्चे विशिष्ट उत्तेजनाओं या अंतः क्रियाओं के प्रति संवेदनशील होते है। यह बाल विकास में एक महत्वपूर्ण अवधि है और जन्म से लेकर छह वर्ष की आयु के बीच होती हैं।

4. विकास के किस पहलू में तर्क, चिंतन और समस्या समाधान की व्याख्या की जाती है?

(a) सामाजिक विकास (b) संज्ञानात्मक विकास
(c) नैतिक विकास (d) गतिक विकास

CTET (I-V) 21/01/2024 (Shift-I)

Ans. (b) : संज्ञानात्मक विकास वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा मनुष्य ज्ञान प्राप्त करता है तथा उसे व्यवस्थित करता है और उसका उपयोग करना सीखता है। ज्ञान 'कैसे' विकसित होता है इसका वर्णन करने के लिए चिंतन, स्मृति, समस्या, समाधान, तर्क और कार्यकारी कार्य की प्रक्रियाओं का उपयोग किया जाता है। संज्ञानात्मक विकास उच्च-स्तरीय सोच से जुड़े कौशल समूह के अधिग्रहण का प्रतिनिधित्व करता है।

5. अभिकथन (A) : बच्चों द्वारा बचपन अलग-अलग संस्कृतियों में अलग-अलग तरह से अनुभव किया जाता है।
कारण (R) : बच्चों का विकास सार्वभौमिक हैं।
सही विकल्प चुनें :

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की (R) सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (A) की (R) सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (I-V) 21/01/2024 (Shift-I)

Ans. (c) : बाल्यावस्था या बचपन वह आयु होती है जिसमें बच्चे संस्कृतियों के बीच अंतर का अनुभव करते हैं, और यह भी सीखते हैं कि विविध संस्कृति कैसे उनके जीवन को एक दूसरे से अलग बनाती हैं। अर्थात बच्चों द्वारा बचपन अलग-अलग संस्कृतियों में अलग-अलग तरह से अनुभव किया जाता है।

• बचपन के सामाजिक निर्माण के सिद्धान्तों में यह विचार शामिल है कि बचपन जीवन का एक अलग चरण है, अर्थात बच्चों का विकास गैर-सार्वभौमिक है, और यह अंतर-सांस्कृतिक मतभेदों के अधीन हैं।

अतः (A) सही है लेकिन (R) गलत है।

6. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थूल गतिक कौशल है?

(a) एक कागज पर एक बड़े आयत को रूपरेखा के अनुसार काटना
(b) बुनाई
(c) तैरना
(d) एक कागज पर वृत्त को रूपरेखा के अनुसार काटना

CTET (I-V) 20/08/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : **<u>स्थूल गतिक कौशल (Gross Motor Skill)</u>** – ये वे बड़ी गतिविधियाँ व क्रियाएँ है जो शिशु अपनी बाजुओं, पैरों या पूरे शरीर के जरिये करते हैं। जैसे-तैरना, घुटनों के बल चलना, खड़े होकर चलना, दौड़ना तथा कूदना आदि ग्रॉस मोटर (स्थूल गतिक) कौशल के उदाहरण हैं।

7. भाषा के विकास के लिए 'संवेदनशीलकाल' कौन-सा है?

(a) आरंभिक बाल्यावस्था (b) माध्यमिक बाल्यावस्था
(c) किशोरावस्था (d) प्रसवपूर्व अवस्था

CTET (I-V) 07/02/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : भाषा विकास के लिए सबसे अधिक संवेदनशील काल आरम्भिक बाल्यावस्था है। भाषा का विकास आरंभिक बाल्यावस्था में ही शुरू हो जाता है, जब कोई व्यक्ति भाषा सीखने और अनुकरण करने से अधिगम शुरू कर देता है तो वह भाषा विकास कहलाता है। संज्ञानात्मक विकास की क्षमता को बढ़ाने के लिए भाषा ही एक मात्र उपकरण हैं। एक अच्छी भाषा हमेशा बच्चे को अन्य व्यक्तियों के साथ संवाद करने या बातचीत करने और उनकी समस्याओं को हल करने की अनुमति देती है।

नोट-किसी विशेष समय के दौरान उत्तेजनाओं के प्रति विशेष संवेदनशीलता को 'संवेदनशील अवधि' कहा जाता है।

8. विकास का कौन-सा क्षेत्र स्व-नियमन प्रदर्शन, भावनाओं को समझने और दर्शाने से संबंधित पहलुओं की बात करता है?

(a) संवेगात्मक (b) नैतिक
(c) शारीरिक (d) गत्यात्मक

CTET (I-V) 29/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : विकास का संवेगात्मक क्षेत्र स्व-नियमन प्रदर्शन, भावनाओं को समझने और दर्शाने से संबंधित पहलुओं की बात करता है। संवेगात्मक विकास के अन्तर्गत शारीरिक व मानसिक पक्षों का समावेश होता है। इस सिद्धान्त के अन्तर्गत प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक वाटसन ने अपने प्रायोगिक अध्ययनों से स्पष्ट किया है कि जन्म के समय शिशुओं में भय, क्रोध एवं प्रेम नामक तीन मौलिक संवेग पाए जाते हैं।

9. बचपन के प्रारंभिक सालों में किसके विकास पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए?

(i) शारीरिक कौशल (ii) सामाजिक कौशल
(iii) संज्ञानात्मक क्षमता (iv) संवेगात्मक कौशल
(v) अमूर्त तर्क

(a) (i) (ii) (b) (i) (iii)
(c) (i) (ii) (iii) (iv) (d) (i) (ii) (iii) (iv) (v)

CTET (I-V) 28/12/2022 (Shift-I)

Ans. (c) : बचपन के प्रारम्भिक सालों में बच्चों के शारीरिक कौशल, सामाजिक कौशल, संज्ञानात्मक क्षमता तथा संवेगात्मक कौशल के साथ ही साथ बच्चों की सक्रिय भागीदारी तथा नवाचार अति आवश्यक होता है इसलिए इस पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए तथा बच्चा औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (12वर्ष की आयु से वयस्क होने तक) में अमूर्त तर्क के बारे में तार्किक रूप से सोचना शुरू करता है। अतः विकल्प (c) सही उत्तर होगा।

10. बचपन से वयस्कता के परिवर्तनकाल का समय कौन-सा है?

(a) प्रारंभिक बाल्यावस्था (b) माध्यमिक बाल्यावस्था
(c) पूर्व-संक्रियात्मक अवस्था (d) किशोरावस्था

CTET (I-V) 28/12/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : किशोरावस्था, बाल्यावस्था से वयस्कता तक एक जैव-सामाजिक संक्रमण है, जो 11 से 18 वर्ष की आयु के बीच होती है। यह शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और संवेगात्मक परिवर्तनों के एक समूह की विशेषता है। यह बाल्यावस्था के अनुभवों और उपलब्धियों पर आधारित है। इस अवस्था में व्यक्ति को व्यावसायिक समायोजन की समस्या का सामना करना पड़ता है, जिसमें उसे अपना कैरियर चुनने की आवश्यकता होती है। अतः, बचपन से वयस्कता के परिवर्तनकाल का समय किशोरावस्था है। स्टेनले हॉल के अनुसार, "किशोरावस्था तनाव, दबाव, विरोध, संघर्ष तथा तूफान की अवस्था है।

11. निम्न में से किसके लिए स्थूल गामक कौशल के उपयोग की आवश्यकता होगी?

(a) ब्रश से पेपर पर पेंटिंग करना
(b) पेपर के टुकड़े काटना और चिपकाना
(c) सुई में धागा डालना
(d) चलना और दौड़ना

CTET (I-V) 28/12/2022 (Shift-I)

Ans. (d) : स्थूल गामक कौशल, वे बड़ी गतिविधियाँ व क्रियाएँ हैं जो शिशु अपनी बाजुओं, पैरों या पूरे शरीर के जरिए करते हैं। घुटनों के बल चलना, खड़े होकर चलना, दौड़ना और कूदना स्थूल गामक कौशल (ग्रॉस मोटर कौशल) हैं। शिशु के शरीर के किसी भी हिस्से में ग्रॉस मोटर कौशल सूक्ष्म मोटर कौशल से पहले विकसित होती है। जबकि ब्रश से पेपर पर पेंटिंग करना, पेपर के टुकड़े काटना और चिपकाना, सुई में धागा पिरोना, किसी चीज को पकड़ना या उठाना तथा लिखना आदि सूक्ष्म गति, कौशल (फाइल मोटर स्किल्स) के उदाहरण हैं, इसमें शरीर की छोटी पेशियों के प्रयोग की आवश्यकता होती है।

12. निम्नलिखित में से कौन-सा स्थूल गत्यात्मक कौशल का उदाहरण है?

(a) चित्र बनाने के लिए पेन पकड़ना
(b) कागज़ को आड़ा-टेढ़ा (ज़िग-ज़ैग) तरीके से काटना
(c) धागे में माला पिरोना
(d) खंभे की तरफ फुटबाल को लात से धकेलना

CTET (I-V) 29/12/2022 (Shift-I)

Ans. (d) गत्यात्मक विकास, शारीरिक विकास को संदर्भित करता है और एक क्रियात्मक कौशल वह क्रिया है जिसमें मांसपेशियों का अधिक उपयोग करना शामिल होता है। स्थूल गत्यात्मक कौशल बड़ी गतिविधि है जो एक बच्चा अपने हाथों, पैरों या अपने पूरे शरीर के साथ करता है। इसलिए रेंगना, दौड़ना, कूदना, लात मारना, गेंद फेंकना और सीढ़ियाँ चढ़ना आदि स्थूल गत्यात्मक कौशल के उदाहरण हैं। 6 से 12 महीने की आयु तक, शिशु, रेंगनें, खड़े होने या चलने में सक्षम हो जाते हैं।

खंभे की तरफ फुटबाल को लात से धकेलना स्थूल गत्यात्मक कौशल का उदाहरण है। इसे सकल मोटर कौशल भी कहा जाता है।

13. बाल विकास के क्षेत्र में हाल ही के सिद्धान्त यह सुझावित करते हैं कि विकास प्रभावित होता है

(i) आनुवंशिकता से (ii) शिक्षा से

(iii) संस्कृति से (iv) सामाजिक नीतियों से
(a) केवल (i) (b) केवल (i), (ii)
(c) केवल (i), (ii), (iii) (d) (i), (ii), (iii), (iv)

CTET (I-V) 09/01/2023 (Shift-I)

Ans. (d) बाल विकास का सामान्य अर्थ है - बालकों का मानसिक व शारीरिक विकास। विकास शारीरिक, मानसिक, संज्ञानात्मक, भाषायी इत्यादि होता है। विकास का सम्बंध गुणात्मक (कार्य कुशलता, ज्ञान, तर्क, नवीन विचारधारा) तथा परिमाणात्मक (लम्बाई में बृद्धि, भार में वृद्धि तथा अन्य) दोनों से है। स्किनर के अनुसार, ''विकास एक क्रमिक एवं मन्दगति से चलने वाली प्रक्रिया है।''
बाल विकास के क्षेत्र में हाल ही के सिद्धान्त यह सुझावित करते हैं कि विकास दो कारकों से प्रभावित होता है :-
1. आन्तरिक कारक 2. वाह्य कारक

1. **आन्तरिक कारक :**
- वंशानुगत/आनुवंशिकता कारक
- शारीरिक कारक
- बुद्धि
- संवेगात्मक कारक
- सामाजिक प्रकृति

2. बाह्य कारक :
- भौतिक वातावरण
- शिक्षा
- संस्कृति
- सामाजिक नीतियाँ

14. बाल विकास के क्षेत्र में, 'मस्तिष्क नमनीयता' संप्रत्यय क्या सुझाता है ?
(a) बाल्यावस्था और किशोरावस्था का पूरी अवस्था संज्ञानात्मक विकास के लिए संवेदनशील अवस्था है।
(b) विकास सभी बालकों में एकसमान दर से होता है।
(c) केवल आनुवंशिकता विकास को प्रभावित करती है, वातावरण नहीं।
(d) एक क्षेत्र में विकास दूसरे क्षेत्र के विकास को प्रभावित नहीं करता है।

CTET (I-V) 10/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) बाल विकास के क्षेत्र में, 'मस्तिष्क नमनीयता' संप्रत्यय बाल्यावस्था और किशोरावस्था का पूरी अवस्था संज्ञानात्मक विकास के लिए संवेदनशील अवस्था को सुझाता है। जबकि विकास सभी बालकों में एक समान गति से न होकर भिन्न-भिन्न दर से होता है, आनुवंशिकता तथा वातावरण दोनों विकास को प्रभावित करते हैं तथा एक क्षेत्र में विकास दूसरे क्षेत्र के विकास को सहज रूप से प्रभावित करता है। ब्रेनप्लास्टिसिटी न्यूरॉन्स की संरचना, तंत्रिका कनेक्शन और मार्गों की ताकत और मस्तिष्क की भौतिक संरचना में परिवर्तन की अनुमति देती है। वह नए न्यूरॉन्स के निर्माण से भी बन सकती है। वह पर्यावरणीय प्रभावों की प्रतिक्रिया में मस्तिष्क की क्षमता को बदलने के लिए संदर्भित करता है।

15. विकास
(a) एक अनिरन्तर प्रक्रिया है।
(b) एक क्रमिक प्रक्रिया है।
(c) व्यक्तिगत कारकों से प्रभावित होता है लेकिन वातावरणीय कारकों से नहीं।
(d) वातावरणीय कारकों से प्रभावित होता है लेकिन व्यक्तिगत कारकों से नहीं।

CTET (I-V) 12/01/2023 (Shift-I)

Ans. (b) मानव विकास का सामान्य अर्थ व्यक्ति के सम्पूर्ण व्यक्तित्व में आयु के साथ आए परिवर्तन से है। कभी-कभी अभिवृद्धि और विकास दोनों को पर्याय मान लिया जाता है लेकिन इनमें अंतर है। अभिवृद्धि को मानव के कोशीय वृद्धि के सन्दर्भ में समझा जाता है वहीं विकास का सन्दर्भ अभिवृद्धि के साथ मानव के सम्पूर्ण पक्ष में वृद्धि है। **इरा.जी. गोर्डन** के अनुसार, ''विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जो व्यक्ति के जन्म से लेकर उस समय तक चलती रहती है जब कि कि वह पूर्ण विकास को प्राप्त नहीं कर लेता है।'' इसकी कुछ प्रमुख विशेषताएँ होती हैं–
- विकास एक क्रमिक प्रक्रिया है।
- विकास की एक निश्चित प्रणाली होती है।
- विकास की एक निश्चित प्रतिक्रिया की ओर होती है।
- विकास अविराम गति से होती है।
- विकास की गति में वैयक्तिक विषमतायें स्थायी होती है।
- विकास के सम्बन्ध में अनेक गुण सह सम्बन्धित होते है।
- विकास के सम्बन्ध में भविष्यवाणी करना सम्भव है।

16. निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र बाल विकास का है?
(a) ऐकिक और अवैज्ञानिक
(b) निर्धारित और स्थिर
(c) अन्तरविषयात्मक और गतिशील
(d) अस्पष्ट और प्राचीन

CTET (I-V) 13/01/2023 (Shift-I)

Ans. (c) विकास एक सार्वभौमिक प्रक्रिया है। विकास की प्रक्रिया गर्भधारण से लेकर जीवन पर्यन्त तक किसी न किसी रूप में चलती रहती है। इसकी गति कभी तीव्र और कभी मंद होती है। बाल विकास के अन्तर्गत बालक के जन्म के बाद किशोर अवस्था तक अनेक महत्वपूर्ण शारीरिक एवं मानसिक परिवर्तन बालक के व्यक्तित्व को स्वरूप प्रदान करने में सभी परिवर्तन व्यवस्थित एवं समानुपात में होते हैं। इस तरह होने वाले हर एक परिवर्तन पिछले परिवर्तन पर निर्भर करता है। गैसल के अनुसार, ''विकास मात्र प्रत्यय या धारणा नहीं है। विकास का निरीक्षण किया जा सकता है, 'मूल्यांकन किया जा सकता है तथा मापा जा सकता है।'' बाल विकास का क्षेत्र वर्तमान समय में व्यापक तथ्यों को समाहित किये हुए है। इसके अन्तर्गत किसी एक तथ्य पर विचार नहीं किया जाता वरन् बालक के सम्पूर्ण विकास पर विचार किया जाता है। शारीरिक, मानसिक, संवेगात्मक, सामाजिक,चारित्रिक, भाषा, रचनात्मक, सौन्दर्य सम्बन्धी, अन्तरविषयात्मक और गतिशील क्षेत्र बाल विकास के अन्तर्गत आते हैं।

17. बाल विकास की अवधि का सही क्रम कौन-सा है?
(a) शिशुअवस्था, गर्भावस्था, पूर्व बाल्यावस्था, किशोरावस्था, मध्य बाल्यावस्था
(b) गर्भावस्था, पूर्व बाल्यावस्था, शिशुअवस्था, मध्य बाल्यावस्था, किशोरावस्था
(c) गर्भावस्था, शिशुअवस्था, पूर्व बाल्यावस्था, किशोरावस्था, मध्य बाल्यावस्था
(d) गर्भावस्था, शिशुअवस्था, पूर्व बाल्यावस्था, मध्य बाल्यावस्था, किशोरावस्था

CTET (I-V) 13/01/2023 (Shift-I)

Ans. (d) विकास को एक व्यापक शब्द के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसमें गुणात्मक और प्रगतिशील परिवर्तनों की एक श्रृंखला शामिल होती है। मानव के विकास को विभिन्न चरणों में विभाजित किया गया है। बच्चों का विकास सामान्य से विशिष्ट की ओर अग्रसर होता है। संवेदी अंगों में सामान्य से विशिष्ट शरीर के अंगों के उपयोग तक प्रगति है। बाल विकास की अवधि का सही क्रम –
(1) गर्भावस्था (2) शैशवावस्था
(3) पूर्व बाल्यावस्था (4) मध्य बाल्यावस्था
(5) किशोरावस्था

18. बाल्यावस्था का शुरुआती दौर, भावनात्मक विकास के लिए एक ______ काल होता है।
(a) संवेदनशील (b) सुस्त/धीमा

(c) निष्क्रिय (d) परेशानीदायक

CTET (I-V) 18/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) बाल्यावस्था का शुरुआती दौर, भावनात्मक विकास के लिए एक संवेदनशील काल होता है। विद्वानों के अनुसार बाल्यावस्था का काल 6 वर्ष तक की आयु को माना गया है। यह बालक के जीवन का एक अनोखा काल माना जाता है। बाल्यावस्था को मानव विकास एक प्राकृतिक अवस्था माना गया है। शैशवावस्था के तुरंत बाद बाल्यावस्था प्रारम्भ हो जाता है। इस अवस्था में बालक किसी कार्य को करने हेतु अधिक उत्तेजित एवं विश्वसनीय योग्य होते है। इस अवस्था मे बालक चिंतनशील हो जाते हैं अर्थात वह सही गलत की पहचान करने लगता है। किसी विषय की तह तक जाने का प्रयास करता है एवं वस्तुओं को समझने का प्रयास करता है।

19. अभिकथन (A) : शिक्षकों को बाल विकास की गहन समझ होनी चाहिए।
तर्क (R) : बच्चों के विकास और अधिगम प्रक्रिया के बारे में जानकर, शिक्षक शिक्षा को अर्थपूर्ण और रोचक बना सकते हैं।
सही विकल्प चुनें।

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R),(A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R),(A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (I-V) 19/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) शिक्षकों को बाल विकास की गहन समझ होनी चाहिए यह अभिकथन सत्य है क्योंकि बाल विकास का ज्ञान रखने वाले शिक्षक ही अपने कक्षा के बालकों का मानसिक स्तर सरलता से जान सकते है और बच्चों के विकास और अधिगम प्रक्रिया के बारे में जानकर, शिक्षा को अर्थपूर्ण और रोचक बना सकते हैं। यह तर्क भी सही है। अतः अभिकथन (A) और तर्क (R) दोनों सही हैं, तथा तर्क (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

20. निम्नलिखित में से कौन सकल मोटर कौशल का एक उदाहरण है?

(a) फुटबाल को किक करना
(b) सुई में पिरोना
(c) लिखने के लिए पेंसिल पकड़ना
(d) ट्रेड में बीड लगाना

CTET (I-V) 20/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) फुटबॉल को लात मारना सकल गतिक कौशल का उदाहरण है जबकि सुई पिरोना, लिखने के लिए पेंसिल पकड़ना, मनके को धागे में पिरोना सूक्ष्म गतिक कौशल का उदाहरण है।

सकल गतिक कौशल– इसमें शरीर की बड़ी मांसपेशियाँ शामिल होती है। उदाहरण–दैनिक शरीरिक गतिविधियाँ – चलना, दौड़ना, फेंकना, सकल गतिक कौशल की गतिविधियाँ है।

सूक्ष्म गतिक कौशल– इसमें शरीर की छोटी पेशियों के प्रयोग की आवश्यकता होती है। उदाहरण– किसी चीज को पकड़ना, लिखना, हाथ, कलाई, पैर की उंगलियों का प्रयोग करना शामिल हैं।

21. बौद्धिक क्षमताएँ जैसे कि कल्पना, समालोचनात्मक सोच और परासंज्ञान की चर्चा परोक्ष रूप से विकास के _____ क्षेत्र के अंतर्गत की जाती है।

(a) सामाजिक (b) शारीरिक
(c) नैतिक (d) संज्ञानात्मक

CTET (I-V) 23/01/2023 (Shift-I)

Ans. (d) बौद्धिक क्षमताएँ जैसे कि कल्पना, समालोचनात्मक चिंतन (सोच) और परासंज्ञान की चर्चा परोक्ष रूप से विकास के संज्ञानात्मक क्षेत्र के अंतर्गत की जाती है।

संज्ञानात्मक क्षेत्र- विकास का संज्ञानात्मक क्षेत्र जानकारी को मानसिक रूप से संसाधित करने की क्षमता को संदर्भित करता है। यह मनोविज्ञान की वह शाखा है जिसके अंतर्गत व्यक्ति की स्मरण क्षमता, निर्णय क्षमता, समस्या-समाधान कौशल, बुद्धि क्षमता और व्यवहार परिवर्तन आदि का अध्ययन किया जाता है। इसमें व्यक्ति के आंतरिक मन में चलने वाले विचारों का पता लगाया जा सकता है।

22. क्रांतिक अवधि के संप्रत्यय की क्या अवधारणा है?

(a) विकास के दौरान अपरिवर्तनीय क्षति।
(b) वातावरण का विकास पर कोई प्रभाव ना होना।
(c) आनुवंशिकता का विकास पर बहुत कम प्रभाव होना।
(d) पुरस्कारों का विकास के दौर पर नकारात्मक प्रभाव होना।

CTET (I-V) 24/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) विकास के दौरान अपरिवर्तनीय क्षति क्रान्तिक अवधि के संप्रत्यय की अवधारणा है।

क्रान्तिक अवधि - सभी व्यक्तियों के लिए सीखने की एक महत्वपूर्ण समय अवधि होती है, यह महत्वपूर्ण अवधि आमतौर पर लगभग 2 वर्ष की उम्र में प्रारंभ होती है, यदि किसी व्यक्ति को इस अवधि के दौरान सही पर्यावरणीय प्रोत्साहन नहीं मिलता है, तो नए कौशल सीखने की उनकी क्षमता कमजोर हो जाएगी जिससे बाद के जीवन में बहुत से सामाजिक कार्य प्रभावित होते है।

23. _________ स्थूल गत्यात्मक कौशल का उदाहरण है।

(a) भागना (b) पकड़ना
(c) आड़ी-तिरछी रेखाएँ खींचना (d) निचोड़ना

CTET (I-V) 25/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : स्थूल गत्यात्मक कौशल, वे बड़ी गतिविधियाँ व क्रियाएँ हैं, जो शिशु अपनी बाजुओं, पैरों या पूरे शरीर के जरिए करते हैं। घुटनों के बल चलना, खड़े होकर चलना, दौड़ना, कूदना और भागना स्थूल गत्यात्मक कौशल के उदाहरण हैं। जबकि सूक्ष्म गत्यात्मक कौशल, वे छोटी गतिविधियाँ व क्रियाएँ हैं जो शिशु अपनी छोटी मांसपेशियों के जरिए करते है। कलाई पैरों की उंगलियाँ, किसी चींज को पकड़ना या उठाना, लिखना, सुई में धागा पिरोना आदि इसके उदाहरण है।

24. एक पेंसिल को पकड़ना ______ कौशल का उदाहरण है जबकि फुटबाल को धकेलना ______ कौशल का उदाहरण है।

(a) सूक्ष्म गतिक, सकल गतिक (b) सामाजिक, भावनात्मक
(c) सकल गतिक, सूक्ष्म गतिक (d) भावनात्मक, सामाजिक

CTET (I-V) 27/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) एक पेन्सिल को पकड़ना सूक्ष्म गतिक कौशल (fine motor skill) का उदाहरण है जबकि फुटबाल को धकेलना सकल गतिक कौशल (Gross Motor skill) का उदाहरण है।

<u>सूक्ष्म गतिक कौशल</u> (Fine motor skill)→ सूक्ष्म गतिक कौशल वह होता है जिसमें कोई बच्चा या शिशु छोटी-छोटी गतिविधियों को अंजाम देता है। जैसे- उंगली और अंगूठे का इस्तेमाल करके कुछ बताता या खेलता है।

<u>सकल गतिक कौशल</u> (Gross motor skill) → ये वे बड़ी गतिविधियाँ व क्रियाएँ है जो शिशु अपनी बाजुओं, टांगों, पैरों या पूरे शरीर के जरिये करते हैं। जैसे- घुटनों के बल चलना, खड़े होकर चलना, दौड़ना और कूदना ग्रॉस मोटर कौशल के उदाहरण हैं।

25. **कथन (A)**

अभिभावकों को बाल्यावस्था देखभाल से संबंधित चर्चा में शामिल करना चाहिए।

तर्क (R)

बाल विकास पारिवारिक परिवेश से प्रभावित होता है।

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।
(b) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) सही है लेकिन (R) गलत है।
(d) (A) और (R) दोनों गलत हैं।

CTET (I-V) 28/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) अभिभावकों को बाल्यावस्था देखभाल से संबंधित चर्चा में शामिल करना चाहिए जिससे कि वे बच्चे की कमियों, रुचियों व आवश्यकताओं को जानें तथा उसके अनुसार समाधान व अनुकूल सामग्री उपलब्ध करा सकें जिससे कि ऐसे परिवेश का निर्माण कर सकें जिसमें बालक का अर्थपूर्ण अधिगम हो सके क्योंकि बाल विकास पारिवारिक परिवेश से प्रभावित होता है। अतः (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है।

26. **हालाँकि विकास के विभिन्न क्षेत्र विद्यार्थियों की योग्यताओं का वर्णन करते हुए पारस्परिकता करते हैं, फिर भी निम्न में से विकास का कौन-सा क्षेत्र मुख्य रूप से व्यक्तियों के अपने और दुसरों के कार्यों और व्यवहारों पर तर्क की प्रवृत्ति का अध्ययन करता है?**

(a) भाषा विकास (b) नैतिक विकास
(c) शारीरिक विकास (d) सांस्कृतिक विकास

CTET (I-V) 28/01/2023 (Shift-I)

Ans. (b) हालांकि विकास के विभिन्न क्षेत्र विद्यार्थियों की योग्यताओं का वर्णन करते हुए पारस्परिकता करते हैं, फिर भी नैतिक विकास का क्षेत्र मुख्य रूप से व्यक्तियों के अपने और दूसरों के कार्यों और व्यवहारों पर तर्क की प्रवृत्ति का अध्ययन करता है। नैतिक विकास का अर्थ है- सही और गलत उचित और अनुचित के बीच अंतर करना सीखना। नैतिक विकास सामाजिक अपेक्षाओं तथा मानदंडों से प्रभावित होता है। इसमें एक व्यक्ति इस आधार पर निर्णय लेता है कि उनके पारस्परिक संबंधों को कैसे प्रभावित करेगा।

27. **यद्यपि विकास के क्षेत्रों का कुछ आयामों में परस्पर व्यापन होता है, तथापि निम्नलिखित में से विकास का कौन-सा क्षेत्र विशिष्ट रूप से स्वयं एवं दूसरों के बारे में 'भावनाओं' की प्रगति अनुक्रम का अध्ययन करता हैं?**

(a) नैतिक विकास (b) भाषा विकास
(c) शारीरिक विकास (d) संवेगात्मक विकास

CTET (I-V) 30/01/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : यद्यपि विकास के क्षेत्रों का कुछ आयामों में परस्पर व्यापन होता है,तथापि संवेगात्मक विकास का क्षेत्र विशिष्ट रूप से स्वयं एवं दूसरों के बारे में 'भावनाओं' की प्रगति अनुक्रम का अध्ययन करता है। संवेगात्मक भावनात्मक विकास की शुरूआत हमारी अपनी भावनाओं को पहचानने और व्यक्त करने से होती हैं। जब हम अपनी भावनाओं को जान कर और उन्हें स्वीकार कर सकते हैं, तो हम उन्हें प्रबंधित करना और यह पहचानना सीख सकते है कि दूसरे लोग क्या महसूस कर रहे हैं। यह आत्म-नियंत्रण और सहानुभूति की नींव हैं, दोनों ही हमारे समाज के सफल कामकाज के लिए महत्वपूर्ण हैं।

28. **हालाँकि विकास के क्षेत्र एक-दूसरे से संबंधित होते हैं फिर भी बौद्धिक क्षमताएँ जैसे कि तार्किक विचार इत्यादि को विकास के किस क्षेत्र के अंतर्गत सापेक्ष रूप से पढ़ा जाता है ?**

(a) भावनात्मक (b) शारीरिक
(c) संज्ञानात्मक (d) सामाजिक

CTET (I-V) 02/02/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : विकास का संज्ञानात्मक क्षेत्र बौद्धिक क्षमताओं जैसे ध्यान, स्मृति, समस्या-समाधान, कल्पना और सृजनात्मकता से संबंधित है।

- यह किसी समस्या को समझने, सीखने, तर्क करने, सोचने और समझने की क्षमता के विकास को संदर्भित करता है।
- एक बच्चे को जितने अधिक अवसर मिलते हैं उसका संज्ञान उतना ही बेहतर होता है क्योंकि वह इन अवसरों से सीखकर अपनी मानसिक क्षमताओं को जोड़ सकता है।

अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि विकास का संज्ञानात्मक क्षेत्र ध्यान, स्मृति, समस्या-समाधान, कल्पना और सृजनात्मकता जैसी बौद्धिक क्षमताओं से संबंधित है।

29. **विकास निम्न में से किस पर निर्भर है?**

(i) आनुवंशिक प्रवृत्तियाँ
(ii) सामाजिक-सांस्कृतिक प्रथाओं
(iii) भौतिक वातावरण

(a) केवल (i) (b) केवल (i) और (ii)
(c) केवल (ii) और (iii) (d) (i), (ii) और (iii)

CTET (I-V) 03/02/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : आनुवांशिक प्रवृत्तियाँ, सामाजिक सांस्कृतिक प्रथाओं, भौतिक वातावरण आदि विकास पर निर्भर है। इस प्रकार दिये गए सभी विकल्प सही है। विकास के स्वरूप एवं गति को अनेक कारक प्रभावित करते हैं। विकास की भिन्न-भिन्न अवस्थाओं पर एवं भिन्न-भिन्न पक्षों के लिए इन कारकों की महत्त्वूर्ण भूमिका रहती है। इन कारकों की वजह से वृद्धि एवं विकास की प्रक्रिया में पर्याप्त परिवर्तन आ जाता है। विकास को प्रभावित करने वाले कारकों को ध्यान में रखकर बालकों को सर्वांगीण विकास के लिए उपयुक्त परिस्थितियाँ तथा साधन प्रदान किये जा सकते हैं।

30. **मानवीय क्षमताएँ जैसे कि – बुद्धि, समस्या-समाधान और समालोचनात्मक चिंतन का सापेक्ष रूप से विकास के किस क्षेत्र के अंतर्गत अध्ययन किया जाता है?**

(a) शारीरिक (b) संवेगात्मक
(c) संज्ञानात्मक (d) नैतिक

CTET (I-V) 04/02/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : मानवीय क्षमताएँ जैसे कि- बुद्धि, समस्या-समाधान और समालोचनात्मक चिंतन का सापेक्ष रूप से विकास के संज्ञानात्मक क्षेत्र के अंतर्गत अध्ययन किया जाता है। संज्ञानात्मक क्षेत्र के अन्तर्गत मानसिक क्रियाओं के द्वारा अधिगम को प्राप्त करते है। संज्ञान के अंतर्गत ज्ञान, संवेदना, समग्रता, विश्लेषण, संश्लेषण, मूल्यांकन, प्रत्यक्षीकरण, कल्पना, तर्क, चिंतन, अनुप्रयोग, स्मृति, बौद्धिक क्षमता इत्यादि आते हैं। संज्ञान एक मानसिक प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से कोई व्यक्ति –

- जानकारी को प्राप्त करता है।
- समस्या का हल निकालता है।
- चितंन एवं तर्क करता है।
- दो वस्तुओं के बीच विभेद करता है।
- संकल्पना को याद करता है।
- यह विकास की प्रक्रिया व्यक्तिगत होती है।
- संज्ञानात्मक विकास से बालक में सीखने की क्षमता बढ़ती है।
- संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं का विकास शैशवावस्था से पहले ही प्रारम्भ हो जाता है।

31. अनेक स्थितियों में, विकास के विभिन्न क्षेत्र मानवीय क्षमताओं की व्याख्या करने में परस्पर प्रतिच्छेद करते हैं, तथापि विकास का कौन-सा क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से बौद्धिक योग्यताओं जैसे कि समस्या-समाधान, समालोचनात्मक चिन्तन और तार्किकता की स्पष्टतया चर्चा करता है?

(a) शारीरिक (b) गत्यात्मक
(c) सामाजिक (d) संज्ञानात्मक

CTET (I-V) 06/02/2023 (Shift-I)

Ans. (d) : अनेक स्थितियों में, विकास के विभिन्न क्षेत्र मानवीय क्षमताओं की व्याख्या करने में परस्पर प्रतिच्छेद करते है, तथापि विकास का 'संज्ञानात्मक' क्षेत्र प्रत्यक्ष रूप से बौद्धिक योग्यताओं जैसे कि समस्या–समाधान, समालोचनात्मक चिंतन और तार्किकता की स्पष्टतयाः चर्चा करता है। संज्ञानात्मक विकास से तात्पर्य बालक की मानसिक क्षमताओं (बुद्धि, चेतना, विचार तथा समस्या समाधान) के विकास से होता है जो शैशवावस्था से ही प्रारंभ हो जाता है। यह एक सतत् विकासात्मक प्रक्रिया है।

32. चालक विकास की दर में व्यक्तिगत विविधताएँ होती हैं, फिर भी चालक विकास का क्रम ..... से .....तक है–

(a) अधोगामी, शीर्षगामी
(b) अपरिष्कृत (स्थूल) चालक विकास; परिष्कृत (सूक्ष्म) चालक विकास
(c) परिष्कृत (सूक्ष्म) चालक विकास; अपरिष्कृत (स्थूल) चालक विकास
(d) शीर्षगामी; अधोगामी

CTET (I-V) 07/06/2019

Ans. (b) चालक विकास की दर में व्यक्तिगत विविधताएँ होती हैं, फिर भी चालक विकास का क्रम अपरिष्कृत (स्थूल) चालक विकास से परिष्कृत (सूक्ष्म) चालक विकास तक है। सर्वप्रथम स्थूल चालक विकास के फलस्वरूप बच्चे शारीरिक गतिविधियों का नियंत्रण एवं समन्वय सीखते हैं, जिससे वे गतिविधियों को कर पाने में, शारीरिक संतुलन, गति एवं नियंत्रण कर पाने में समर्थ हो पाते हैं। जैसे– चलना, दौड़ना, कूदना और पैरों से प्रहार करना आदि। उसके बाद सूक्ष्म चालक विकास के फलस्वरूप बालक अपने संसार के बारे में सीखने के विभिन्न प्रयासों में वस्तुओं को उठाने, पकड़ने और जाँच परख करने की क्रियाएँ सीखते हैं। यही कारण है कि चालक विकास की दर में व्यक्तिगत विविधताएँ होते हुए भी क्रम स्थूल से सूक्ष्म विकास की ओर होता है।

33. वह अवधि जो वयस्कता के संक्रमण की पहल करती है, उसे क्या कहते हैं–

(a) मध्य बाल्यावस्था (b) पूर्व-क्रियात्मक अवधि
(c) बाल्यावस्था की समाप्ति (d) किशोरावस्था

CTET (I-V) 07/06/2019

Ans. (d) वह अवधि जो वयस्कता के संक्रमण की पहल करती है उसे किशोरावस्था कहते हैं। इस अवस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा प्रौढ़ावस्था (वयस्कता) के बीच का संक्रमण काल होने के कारण इसे जीवन का सर्वाधिक कठिन काल माना जाता है। इस अवधि में बालक दोनों ही अवस्थाओं में रहता है। न तो उसे बालक ही समझा जाता है और न ही प्रौढ़ के रूप में स्वीकृति मिलती है। किशोरावस्था वह अवस्था है जिसमें बालक परिपक्वता की ओर अग्रसर होता है तथा जिसकी समाप्ति पर वह पूर्ण परिपक्व व्यक्ति (वयस्क व्यक्ति) बन जाता है।

34. निम्नलिखित में से कौन विकास के व्यापक आयामों की सही पहचान करता है?

(a) संवेगात्मक, बौद्धिक, आध्यात्मिक एवं स्व
(b) शारीरिक, व्यक्तित्व, आध्यात्मिक एवं संवेगात्मक
(c) सामाजिक, शारीरिक, व्यक्तित्व, स्व
(d) शारीरिक, संज्ञानात्मक, सामाजिक और संवेगात्मक

CTET (I-V) 07/06/2019

Ans. (d) विकास की विभिन्न अवस्थाओं में बालक-बालिकाओं के व्यवहार में विभिन्न प्रकार के अनेकानेक परिवर्तन होते हैं। बालक-बालिकाओं के व्यवहार में होने वाले परिवर्तनों के आधार पर विकास को अग्रांकित आयामों में विभक्त किया जा सकता है–

- शारीरिक विकास
- मानसिक विकास
- सामाजिक विकास
- संवेगात्मक विकास
- नैतिक विकास

35. जन्म से किशोरावस्था तक बच्चों में विकास किस क्रम में होता है?

(a) मूर्त, अमूर्त, सांवेदिक (b) अमूर्त, मूर्त, सांवेदिक
(c) सांवेदिक, मूर्त, अमूर्त (d) अमूर्त, सांवेदिक, मूर्त

CTET (I-V) 31/01/2021

Ans. (c) : जन्म से किशोरावस्था तक बच्चों में विकास क्रम सांवेदिक, मूर्त और अमूर्त के रूप में होता है। पियाजे ने स्पष्ट करते हुए इसे चार भागों में विभक्त किया है-

1. सांवेदिक चरण या संवेदी-पेशीय अवस्था (जन्म से 2 वर्ष तक)
2. प्राक संक्रियात्मक अवस्था (2-7 वर्ष तक)
3. मूर्त संक्रियात्मक अवस्था (7-11 या 12 वर्ष तक)
4. अमूर्त या औपचारिक संक्रियात्मक अवस्था (11-15 वर्ष तक)

इस प्रकार जन्म से किशोरावस्था तक बच्चों का विकास क्रम निम्न प्रकार से होता है-

सांवेदिक चरण→पूर्व-संक्रियात्मक चरण→मूर्त चरण→अमूर्त चरण

36. विकास के संदर्भ में निम्न में से कौन-सा कथन सही है?

(a) विकास केवल बाल्यावस्था के दौरान ही होता है।
(b) विकास बहुआयामी होता है।
(c) विकास की दर, सभी संस्कृतियों में सभी के लिए समान होती हैं।
(d) विकास केवल विद्यालय में होने वाले अधिगम से ही होता है।

CTET (I-V) 31/01/2021

Ans. (b) : विकास बहुआयामी होता है। यहाँ बहुआयामी से तात्पर्य विकास के विभिन्न पक्षों, विभिन्न अवस्थाओं और विकास के विभिन्न सिद्धान्तों से है। बालक का विकास जीवन पर्यन्त चलता रहता है और यह विभिन्न पक्षों में होता है, जैसे- शारीरिक पक्ष, मानसिक पक्ष, सामाजिक पक्ष, संवेगात्मक पक्ष आदि। इसी प्रकार विकास के सिद्धान्त के अनुसार बालक का विकास निकट से दूर की ओर, सिर से पैर की ओर तथा केन्द्र से बाहर की ओर भी होता है। यही कारण है कि विकास को बहुआयामी माना जाता है।

37. निम्नलिखित अवधि में से किसमें शारीरिक वृद्धि एवं विकास तीव्र गति से घटित होता है?

(a) मध्य बाल्यावस्था एवं किशोरावस्था
(b) किशोरावस्था एवं वयस्कता
(c) शैशवावस्था एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था
(d) प्रारंभिक बाल्यावस्था एवं मध्य बाल्यावस्था

CTET (I-V) 08/12/2019

Ans. (c) शैशवावस्था एवं प्रारम्भिक बाल्यावस्था में शारीरिक वृद्धि एवं विकास तीव्र गति से घटित होता है। शैशवावस्था में विशेषकर जन्म से लेकर तीन वर्ष की आयु होने के दौरान शारीरिक विकास की गति अत्यन्त तीव्र रहती है। इसी प्रकार बाल्यवस्था के प्रथम तीन वर्षो के दौरान अर्थात् 6–9 वर्ष की आयु तक शारीरिक विकास अधिक तीव्र गति से होता है। बाद के तीन वर्षों में शारीरिक विकास की गति कुछ धीमी हो जाती है।

(ii) बालक के विकास के सिद्धांत

38. विकास के संदर्भ में, समय सीमा जिसमें एक व्यक्ति विशिष्ट उत्प्रेरणाओं के प्रति परिवर्धित संवेदनशीलता रखता है जिससे कि वह कुशल तरीके से कार्य करने के लिए विशेष कौशल विकसित कर सके, वह विकास की _______ कहलाई जाती है।

(a) प्रोत्साहन अवधि (b) उत्प्रेरक अवधि
(c) चुनौतीपूर्ण अवधि (d) कूटलेखन/एन्कोडिंग अवधि

CTET (1-V) 14/12/2024

Ans. (c) : विकास के संदर्भ में, एक समय सीमा जिसमें एक व्यक्ति विशिष्ट उत्प्रेरणाओं के प्रति परिवर्धित संवेदनशीलता रखता है जिससे कि वह कुशल तरीके से कार्य करने के लिए विशेष कौशल विकसित कर सके, वह विकास की चुनौतीपूर्ण अवधि कहलाई जाती है।

चुनौतीपूर्ण अवधि– विकास के संदर्भ में चुनौतीपूर्ण अवधि वह समय सीमा होती है जब एक व्यक्ति विशिष्ट उत्प्रेरणाओं के प्रति अधिक संवेदनशील होता है, जिससे वह कुशलतापूर्वक विशेष कौशलों को विकसित कर सकता है।

39. अधिकथन (A) : 5-6 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को 'ठीक से' और 6 रेखाओं के भीतर' लिखने के लिए दबाव नहीं डाला चाहिए।

कारण (R) : बच्चे 5-6 साल के बाद गतिक कौशल का बेहतर नियंत्रण प्राप्त करते हैं।

सही विकल्प चुनें:

(a) (A) सही है लेकिन (R) गलत है
(b) (A) और (R) दोनों गलत हैं।
(c) (A) और (R) दोनों सही हैं और (A) की (R) सही व्याख्या करता है।
(d) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (A) की (R) सही व्याख्या नहीं करता है।

CTET (1-V) 14/12/2024

Ans. (c) : अभिकथन (A) : 5-6 साल के कम उम्र के बच्चों को 'ठीक से' और 'रेखाओं के भीतर' लिखने के लिए दबाव नहीं डालना चाहिए। यह अभिकथन सही है, क्योंकि 5-6 साल से कम उम्र के बच्चों में मोटर स्किल्स अभी विकसित हो रही होती है। उन पर लिखने के लिए दबाव डालना उनके विकास को बाधित कर सकता है।

कारण (R) : बच्चे 5-6 साल के बाद ही गतिक कौशल का बेहतर नियंत्रण प्राप्त करते हैं। यह उम्र उनके लिए लिखना सीखने के लिए अधिक उपयुक्त होती है।

40. निम्नलिखित में से कौन सा कथन विकास के 'समीप - दूराभिमुख' सिद्धांत का प्रतिनिधित्व करता है?

(a) विकास बहु-दिशात्मक और बहु-आयामी होता है।
(b) अलग-अलग संस्कृतियों में रहने वाले हमशक्ल जुड़वा अलग-अलग दरों से विकसित हो सकते हैं।
(c) मोतियों को धागे में पिरोने से पहले बच्चे गेंद को पकड़ने की क्षमता विकसित करते हैं।
(d) बच्चों में खड़े होने से पहले बैठने की क्षमता का विकास होता है।

CTET (1-V) 14/12/2024

Ans. (c) : समीप-दूराभिमुख सिद्धांत (प्रॉक्सिमोडिस्टल) :- प्रॉक्सीमो का अर्थ है 'समीप या पास' और डिस्टल का 'दूर'। जन्मपूर्व 5 महीने से लेकर जन्म तक भ्रूण के शरीर का विकास 'अंदर' से 'बाहर' की ओर होने की प्रक्रिया को 'समीप-दूराभिमुख' विकास कहते हैं। इस नियम के अनुसार पहले पेट या छाती के क्षेत्र में विकास होगा, फिर बाँह में और अंत में अंगुलियों में।

इस प्रकार, मोतियों को धागे में पिरोने से पहले बच्चे गेंद को पकड़ने की क्षमता विकसित करते हैं। यह कथन विकास के 'समीप-दूराभिमुख' सिद्धांत का प्रतिनिधित्व करता है।

41. विकास के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) विकास के विभिन्न पहलू एक-दूसरे से स्वतंत्र होते हैं।
(b) विकास एक असतत प्रक्रिया है।
(c) विकास चक्रिय तरीके से होता है, रैखिक नहीं।
(d) विकास विशिष्ट से सामान्य की ओर बढ़ता है।

CTET (I-V) July, 2024

Ans. (c) : बच्चे द्वारा विकास में अपनाएं गए मार्ग सीधे और रैखिक नहीं होते है और किसी भी स्तर पर विकास निरंतर या स्थिर गति से कभी नहीं होता हैं।

* विकास सर्पिल/ चक्रिय तरीके से होता है, रैखिक नही

* बच्चा निरंतर गति से विकसित नहीं होता है, लेकिन वह एक चरण में आगे बढ़ता है और फिर अपने विकास को मजबूत करते के लिए अगले अवधि में आरम्भ करता है। इसलिए, वह पीछे मुड़ता है और फिर सर्पिल की तरह आगे बढ़ता हैं।

42. विकास के क्रम में, बच्चे सूक्ष्म पेशीय कौशल से पहले सकल पेशीय कौशल विकसित करते हैं। यह दर्शाता है कि विकास :

(a) अराजक (b) शीर्षगामी
(c) रेखीय (d) समीप-दूराभिमुख

CTET (I-V) 21/01/2024 (Shift-I)

Ans. (d) : विकास के क्रम में, बच्चे सूक्ष्म पेशीय कौशल से पहले सकल पेशीय कौशल विकसित करते हैं। यह विकास के समीप-दूराभिमुख सिद्धान्त को दर्शाता हैं।

- इसमें शरीर का मध्य भाग शरीर के बाहरी भाग की तुलना में जल्दी विकसित होता हैं।
- सबसे पहले, पूरे हाथ या पैर की गतियों को देखा जाता है, फिर कोहनी और घुटने के जोड़ को नियंत्रित किया जाता है, और अंत में उंगलियों की विशेष पहुँच को नियंत्रित किया जाता है।

43. समीपस्थ सिद्धान्त कहता है कि शैशवावस्था में :

(a) अंग-हाथों और पैरों की तुलना में तेजी से बढ़ते रहते हैं।
(b) विकास सिर से पाँव तक होता है।
(c) भाषा का विकास तेजी से होता है क्योंकि वह विकास के लिए संवेदनशील अवधि है।
(d) सूक्ष्म गतिक कौशल के विकास के साथ शारीरिक विकास तेजी से होता है।

CTET (I-V) 21/01/2024 (Shift-I)

Ans. (a) : मानव विकास शरीर के केंद्र से बाहर की ओर होता है। यह समीपस्थ विकास का सिद्धान्त है जो विकास की दिशा का भी वर्णन करता है। इसका मतलब यह है कि रीढ़ की हड्डी शरीर के बाहरी हिस्सों से पहले विकसित होती है। बच्चे की भुजाएँ एवं अंग हाथों और पैरों से पहले विकसित होते हैं और हाथ तथा पैर की उंगलियों और पैर की माँसपेशियों (ठीक मोटर निपुणता में प्रयुक्त) का विकास सबसे बाद में होता है।

44. भौतिक वृद्धि और विकास, विकास के ______ और ______ सिद्धांतों का पालन करते हैं।

(a) विभेदीकरण (सरल से जटिल);
एकीकरण (जटिल से सरल)
(b) एकीकरण (सरल से जटिल);
विभेदीकरण (जटिल से सरल)

(c) शीर्षगामी (अवरोही);
समीपस्थ (आंतरिक से बाहरी)
(d) समीपस्थ (अवरोही);
शीर्षगामी (आंतरिक से बाहरी)

CTET (I-V) 20/08/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : भौतिक वृद्धि और विकास, विकास के शीर्षगामी (अवरोही) और समीपस्थ (आंतरिक से बाहरी) सिद्धान्तों का पालन करते हैं। शीर्षगामी (अवरोही) / मस्तकाधोमुखी विकास क्रम का अर्थ है कि सबसे पहले मस्तिष्क क्षेत्र फिर धड़ क्षेत्र तथा सबसे अंत में पैर क्षेत्र में शरीर के विभिन्न अंगों का विकास होता है। इसी प्रकार समीपस्थ (आंतरिक से बाहर) / निकट से दूर के नियम के अनुसार पहले केन्द्र में स्थित अंगों की रचना व नियंत्रण होता है। फिर केन्द्र से दूर स्थित अंगों की रचना व नियंत्रण होता है।

45. प्रारंभिक बाल्यावस्था में वृद्धि _______ और सोच _______ है, जबकि मध्य बाल्यावस्था में वृद्धि _______ और सोच _______ है।

(a) धीमी, तार्किक; स्थिर है, आत्मकेंद्रित
(b) धीमी, कुछ हद तक आत्मकेंद्रित; स्थिर है, तार्किक
(c) स्थिर है, कुछ हद तक आत्मकेंद्रित; धीमी, तार्किक
(d) स्थिर है, तार्किक; धीमा, आत्मकेंद्रित

CTET (I-V) 20/08/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : प्रारंभिक बाल्यावस्था में वृद्धि स्थिर है और सोच कुछ हद तक आत्मकेंद्रित है, जबकि मध्य बालयावस्था में वृद्धि धीमी और सोच तार्किक है।

46. बच्चों के प्राथमिक वर्षों में विकास का क्रम-

(a) सरल से जटिल की तरफ होता है
(b) अमूर्त से मूर्त की तरफ होता है
(c) वैश्विक से स्थानिक की ओर होता है
(d) विशिष्ट से सामान्य की ओर होता है

CTET (I-V) 07/02/2023 (Shift-I)

Ans. (a) : विकास एक जीवन-पर्यन्त प्रक्रिया है, जो गर्भधारण से लेकर मृत्यु-पर्यन्त तक होती रहती है। बच्चों के प्राथमिक वर्षों में विकास का क्रम सरल से जटिल की तरफ होता है।
विकासात्मक परिवर्तन प्रायः व्यवस्थापरक, प्रगत्यात्मक और नियमित होते हैं। सामान्य से विशिष्ट, सरल से जटिल और एकीकृत से क्रियात्मक स्तरों की ओर अग्रसर होने के दौरान प्रायः यह एक पैटर्न का अनुसरण करते हैं।

47. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन विकास के बारे में सही है?

(a) विकास पूरी तरह से अनिश्चित है।
(b) विकास अत्यधिक अनिरंतर है।
(c) व्यक्तियों की विकास दर में विभिन्नता पाई जाती है।
(d) विकास पैर से सिर की तरफ होता है।

CTET (I-V) 29/01/2023 (Shift-I)

Ans. (c) : व्यक्तियों की विकास दर में विभिन्नता पाई जाती है। यह कथन विकास के बारे में सही है। विकास एक निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। विकास का यह क्रम मानव के गर्भावस्था से लेकर मृत्यु पर्यन्त तक चलता रहता है। विकास की एक निश्चित दिशा तथा एक निश्चित क्रम होता है। विकास सिर से पैर की तरह बढ़ता है। इसे मस्तिकाधोमुखी सिद्धान्त कहा जाता है। इसमें बच्चा चलना शुरू करने से पहले सिर पर नियंत्रण हासिल करता है।

48. बच्चों का विकास___से ___की ओर बढ़ता है।

(a) केन्द्र, बाह्य (b) पैर, सिर
(c) विशिष्ट, सामान्य (d) जटिल,सरल

CTET (I-V) 29/12/2022 (Shift-I)

Ans. (a) बच्चों का विकास केन्द्र से बाह्य की ओर बढ़ता है। विकास शरीर के केन्द्र से बाहर की ओर होता है। यह प्रोक्सीमोडिस्टल या अधोगामी विकास का सिद्धान्त है। इस सिद्धान्त के अनुसार, मानव विकास शरीर के केन्द्र (समीपस्थ क्षेत्र) से बाहरी शरीर के अंगों और छोरों (डिस्टल क्षेत्र) तक या निकट से दूर की ओर आगे बढ़ता है और विकास के शीर्षगामी सिद्धांत के अनुसार, विकास सिर से पैर की ओर आगे बढ़ता है।

49. बच्चों का विकास किस प्रकार से होता है?

(a) व्यवस्थित रूप से होता है परन्तु स्वाभाविक रूप से वैयक्तिक होता है।
(b) अव्यवस्थित रूप में, किसी विशिष्ट पल में अचानक से उभर आता है।
(c) पूरे विश्व में सभी बच्चों में एकसमान दर से होता है।
(d) केवल विद्यालयीकरण के परिणाम से होता है।

CTET (I-V) 09/01/2023 (Shift-I)

Ans. (a) बाल विकास एक बहुमुखी प्रक्रिया है जिसमें बालक का मानसिक व शारीरिक विकास होता है। बाल विकास के अंतर्गत बालकों में शारीरिक, मानसिक, सामाजिक, संज्ञानात्मक, भाषागत तथा धार्मिक इत्यादि क्षेत्रों में विकास होता है। बाल विकास का सम्बंध गुणात्मक एवं परिमाणात्मक दोनों विकास से है। गुणात्मक विकास के अन्तर्गत कार्यकुशलता, ज्ञान, तर्क एवं विचारधारा इत्यादि आते हैं। परिमाणात्मक विकास के अन्तर्गत लम्बाई में वृद्धि, भार में वृद्धि इत्यादि आते हैं। बच्चों का विकास व्यवस्थित रूप से होता है परन्तु स्वाभाविक रूप से वैयक्तिक होता है।

50. विकास के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(a) विकास पूर्ण रूप से केवल आनुवंशिकता का ही परिणाम है।
(b) विकास का क्रम विशिष्ट से सामान्य की ओर होता है।
(c) विकास बाहर से केंद्र की ओर होता है।
(d) विकास सिर से पाँव की ओर बढ़ता है।

CTET (I-V) 11/01/2023 (Shift-I)

Ans. (d) विकास के संदर्भ में विकास सिर से पाँव की ओर बढ़ता है। बाल विकास दो दिशाओं में होता है-

1. **मस्तिष्काधोमुखी-** यह प्रदर्शित करता है, कि विकास अधोमुखी / लम्बवत दिशा में अर्थात सिर से पाँव की दिशा की ओर बढ़ता है। उदाहरण –एक बच्चा चलना शुरु करने से पहले सिर पर नियंत्रण हासिल करता है।
2. **समीपूदाभिमुख-** यह प्रदर्शित करता है, कि विकास निकट से दूर की ओर अर्थात शरीर के केंद्र से परिधीय की ओर होता है।

उदाहरण- एक बच्चा अंगुलियों के इस्तेमाल से पहले कंधे का उपयोग करने लगता है।

51. विकास का शीर्षगामी सिद्धान्त क्या सुझाता है?

(a) विकास केन्द्र से बाहर की ओर होता है।
(b) विकास सिर से पैर की ओर होता है।
(c) सभी व्यक्तियों में समान दर से होता है।
(d) प्रकृति और वातावरण की मिश्रित क्रिया का परिणाम है।

CTET (I-V) 17/01/2023 (Shift-I)

Ans. (b) सिफेलोकाउडल सिद्धान्त या विकास का शीर्षगामी सिद्धान्त यह दर्शाता है कि वृद्धि और विकास एक स्वरूप का पालन करते हैं जो सिर से शुरू होता है फिर शरीर के बाकी हिस्सों (सिर से पैर की ओर) तक बढ़ता है।